महेंद्रगढ़ जिला

1. महेंद्रगढ़ जिला एक नज़र में

जिले की स्थापना	1 नवम्बर 1966
शहर की स्थापना	राजा नरेन्द्र सिंह द्वारा
नामकरण	पटियाला के राजा नरेन्द्र सिंह के पुत्र महेंद्र (मोहिन्द्र सिंह) के नाम पर
प्राचीन नाम	कानौड़
क्षेत्रफल	1899 वर्ग किमी
उपनाम	खनिजों का घर (नारनौल: बावड़ियों का शहर)
विधानसभा सीटें	महेंद्रगढ़, अटेली, नारनौल, नांगल चौधरी
तहसील	महेंद्रगढ़, कनीना, नारनौल, अटेली, नांगल चौधरी
उपतहसील	सतनाली

hrgk.in

ध्यान दें: हरियाणा में अरावली मैदान का सबसे ऊँचा भाग कुलताजपुर (652 मीटर) है, जिसे ढोसी की पहाड़ियाँ भी कहा जाता है — यह तथ्य परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

2. ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल

इतिहास

कानौड़िया ब्राह्मणों द्वारा बसाए जाने के कारण महेंद्रगढ़ शहर पहले **'कानौड़'** नाम से जाना जाता था; एक मत यह भी है कि इसे बाबर के सेवक मलिक महदूद खान ने बसाया था। सत्रहवीं शताब्दी में मराठा शासक **तांत्या टोपे** ने यहाँ एक किले का निर्माण करवाया। सन **1861** में पटियाला रियासत के महाराजा नरेन्द्र सिंह ने अपने पुत्र मोहिन्द्र सिंह के सम्मान में इस किले का नाम **'महेंद्रगढ़'** रखा — इसी नाम से आगे चलकर पूरा नगर जाना जाने लगा।

सन **1948** में पेप्सू (PEPSU) के गठन के दौरान पटियाला राज्य से महेंद्रगढ़ क्षेत्र, जींद से दादरी क्षेत्र (अब चरखी दादरी) और नाभा राज्य से नांगल क्षेत्र को मिलाकर महेंद्रगढ़ जिले का गठन हुआ; मुख्यालय नारनौल बनाया गया। उस समय जिले

में नारनौल, बावल व महेंद्रगढ़ — तीन तहसीलें तथा एक उपतहसील थी। सन **1949** में महेंद्रगढ़ उपतहसील को तहसील का दर्जा दे दिया गया।

साहूकार गुम्बद (चोर गुम्बद)

अफगान **जमाल खान** द्वारा फिरोज शाह के शासनकाल में इसका निर्माण करवाया गया।

जल महल

शहर के दक्षिण में आबादी से बाहर स्थित यह महल **शाह कुली खान** ने सन 1591 में बनवाया था। इतिहास के अनुसार शाह कुली खान ने पानीपत की दूसरी लड़ाई में हेमू को पकड़ा था, जिससे प्रसन्न होकर अकबर ने उन्हें नारनौल सौंप दिया।

छत्ता राय बालमुकुंद दास (बीरबल का छत्ता)

शाहजहाँ के शासनकाल में नारनौल के राय बालमुकुंद दास द्वारा बनवाई गई यह पाँच मंज़िला ऐतिहासिक इमारत है। अकबर के दरबारी **बीरबल** यहाँ अक्सर आते थे, इसलिए इसे 'बीरबल का छत्ता' भी कहा जाता है।

मंदिर चामुंडा देवी

मान्यता है कि क्षेत्र के शासक राजा **नूनकरण** चामुंडा देवी के भक्त थे; उन्होंने एक पहाड़ी की तलहटी में इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

मोढ़ावाला मंदिर

भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर है; रक्षाबंधन के अवसर पर यहाँ बड़ा मेला लगता है।

hrgk.in

ढोसी की पहाड़ी

नारनौल शहर से लगभग आठ किमी पश्चिम में, पहाड़ी थाना व कुलताजपुर गाँवों के पास स्थित यह पहाड़ी **च्यवन ऋषि** की तपोभूमि मानी जाती है; उन्हीं की स्मृति में सोमवती अमावस्या को यहाँ बड़ा मेला लगता है। च्यवन ऋषि को भार्गव समुदाय का संस्थापक माना जाता है और हरियाणा के भार्गव 'ढोसर' कहलाते हैं — हेमू भी एक ढोसर ब्राह्मण थे। पहाड़ी पर पंच तीर्थ व सूरजकुंड जैसे अन्य धार्मिक स्थल भी हैं। कहा जाता है कि च्यवन ऋषि जिस विशेष जड़ी-बूटी का सेवन करते थे, वही आगे चलकर उनके नाम पर **'च्यवनप्राश'** कहलाई और पूरे देश में लोकप्रिय हुई।

बामनवास

हरियाणा-राजस्थान सीमा पर स्थित यह गाँव **बाबा रामेश्वर दास** के मंदिर के लिए प्रसिद्ध है; मंदिर की दीवारों पर गीता के उपदेश, रामायण व अन्य धार्मिक महाकाव्य अंकित हैं।

माण्डोला

बाबा केसरिया के कारण यह स्थान धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है; उनकी स्मृति में हर वर्ष 1 सितंबर को मेला लगता है। मान्यता है कि यहाँ की यात्रा सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को ठीक कर देती है।

शेलंगा

मान्यता है कि यहाँ के मंदिर में ज्योति के दर्शन से कुछ रोगों से ग्रस्त व्यक्ति ठीक हो जाता है।

3. जिले की अन्य महत्वपूर्ण बातें

ऐतिहासिक समयरेखा

- **1589** नारनौल में निपोलियन गेटवे का निर्माण हुआ।
- **1591** शाह कुली खान ने जल महल का निर्माण करवाया।
- **1657** कवि बीरभान ने नारनौल में सतनामी सम्प्रदाय की स्थापना की।
- **1857** नसीबपुर में क्रांतिकारियों की स्मृति में शहीदी स्मारक बना।
- **1861** महाराजा नरेन्द्र सिंह ने किले का नाम 'महेंद्रगढ़' रखा।
- **1948** पेप्सू के अंतर्गत महेंद्रगढ़ जिले का गठन हुआ; मुख्यालय नारनौल बना।
- **1949** महेंद्रगढ़ उपतहसील को तहसील का दर्जा मिला।
- **1966** हरियाणा में जिले की औपचारिक स्थापना हुई (1 नवम्बर)।
- **2009** जाटपाली में हरियाणा के एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

धार्मिक स्थल एवं तीर्थ

- **शिव मंदिर** – बाघोत गांव में स्थित।
- **गुरु दयाभेष गढ़हरा** – नारनौल में स्थित।
- **गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा** – नारनौल में स्थित।
- **संत हुमायूं पीर की दरगाह** – नारनौल; कहा जाता है कि यहाँ महिलाओं का प्रवेश वर्जित है।
- **उद्दालक ऋषि का आश्रम** – स्याणा (महेंद्रगढ़) में स्थित।
- **अन्नपूर्णा तीर्थ** – महेंद्रगढ़ में स्थित।

hrgk.in

मेले

- **भूरा भवानी मेला** – महेंद्रगढ़ में लगता है।
- **माता मनसानी मेला** – चैत्र बड़ी छठ को महेंद्रगढ़ में लगता है।
- **हनुमान जी का मेला** – श्योपुरासर, नारनौल में लगता है।
- **संत शिरोमणि बाबा मोलड़दास मेला** – महेंद्रगढ़ में लगता है।
- **बाबा भलाईनाथ का मेला** – महेंद्रगढ़ में लगता है।

ऐतिहासिक स्थल एवं स्मारक

- **इब्राहिम सूरी का मकबरा** – नारनौल; पठान शैली में निर्मित।
- **इब्राहिम खां का मकबरा** – नारनौल में स्थित।
- **शाह विलायत का मकबरा** – नारनौल; पठान शैली में निर्मित।
- **शाह कुली खां का मकबरा** – नारनौल में स्थित।
- **तांत्या टोपे का किला** – महेंद्रगढ़ में स्थित।
- **मिर्जा अली की बावड़ी** – नारनौल में स्थित।
- **माधोगढ़ किला** – राजा सवाई माधोसिंह द्वारा निर्मित।
- **आराम-ए-कोसर** – शाह कुली खां द्वारा निर्मित, नारनौल; यह निपोलियन गेट का प्रवेश द्वार है।
- **सिंहों का द्वार** – नारनौल में स्थित।
- **नसीबपुर स्मारक** – यहाँ 1857 के क्रांतिकारियों की याद में शहीदी स्मारक बना है।

भूगोल एवं प्राकृतिक स्थल

- **चोरा सागर झील** – नारनौल में स्थित।
- **दोहान नदी** – यह मौसमी नदी साहिबी नदी के साथ बहती है; इसका उद्गम ढोसी की पहाड़ी से होता है।

खनिज एवं उद्योग

- **तांबा अयस्क** – नारनौल में प्रमुख खनिज है।
- **एस्बेस्टस** – महेंद्रगढ़ में पाया जाता है (आग में न जलने वाला पदार्थ)।
- **लाख की चूड़ियाँ उद्योग** – महेंद्रगढ़ में स्थित।
- **नाइट्रोजन प्लांट** – नारनौल में स्थित।

hrgk.in

महेंद्रगढ़ के प्रथम / रिकॉर्ड

- **केंद्रीय विश्वविद्यालय** – जाटपाली में स्थित हरियाणा का एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय (2009)।
- **लॉजिस्टिक पार्क** – नारनौल में उत्तर भारत का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक पार्क है।
- **फल-सब्जी उत्पादन** – प्रदेश में सबसे कम फल व सब्जी उत्पादन महेंद्रगढ़ में होता है।
- **झाड़ियों का विस्तार** – प्रदेश में सबसे अधिक झाड़ियों का विस्तार महेंद्रगढ़ में है।
- **खनिज संसाधन** – प्रदेश में सबसे अधिक खनिज संसाधन महेंद्रगढ़ में हैं।
- **सांड वीर्य बैंक** – हरियाणा का पहला सांड वीर्य बैंक महेंद्रगढ़ में है।

4. महान व्यक्तित्व

नाम	परिचय / योगदान
सतीश कौशिक	अभिनेता, निर्माता व निर्देशक; पहली फिल्म "रूप की रानी चोरों का राजा"।
सुरेंद्र शर्मा	हास्य रस कवि; नांगल चौधरी; 'शैलाइन' शैली में चार पंक्तियों की कविताएं रचते हैं।
गुलशन ग्रोवर	प्रसिद्ध बिजनेसमैन।
बाबा रामदेव	सैयद अलीपुर।
संदीप कुमार	पैदल चाल (Race Walk) खिलाड़ी।

hrgk.in